

जव्वाद अली शाह
इमामबाड़ा गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कालेज
गोरखपुर



बुलेटिन
2023-2024

मियां बाजार, गोरखपुर-273001

000039



Mian Saheb (Late) Syed Jawad Ali Shah (1907-1981)

Amma

000039



Mian Saheb Syed Mazhar Ali Shah
He established the college in the anme of his fater (Late)
Syed Jawad Ali Shah in the year 1973

MAS



Present Mian Saheb Syed Adnan Farrukh Ali Shah from 1988

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

دعا

اللہ! مجھے علم کا گلزار عطاء کر
لہجے کو مرے گرمیء گفتار عطاء کر

مخلوق کی تکلیف سے ہو جائے جو مضطر
اس طرح کا مجھ کو دل بیسار عطاء کر

اغیار کے آگے نہ جھکوں میں کبھی ہرگز
ہر سانس کو اک شعلہ خود دار عطاء کر

باطل کے مقابل دے مجھے فتح خدایا
ایمان میں ڈوبی ہوئی تلوار عطاء کر

منزل کی مصیبت سے نہ گھبراؤں کبھی میں
دل کو مرے اک جادۂ دشوار عطاء کر

جو لفظ زباں پر ہومری اس میں کشش ہو
اللہ! مجھے ساز کی جھنکار عطاء کر

آراستہ کر بوئے محاسن سے مجھے تو
اخلاق کا مجھ کو گل بے حسار عطاء کر

لغزش نہ سلام اب ہو جہاں میں کوئی مجھ سے
یارب! تو مجھے پاکئی کر دار عطاء کر

अतीत से वर्तमान

मियां साहब सैयद जव्वाद अली शाह समाज में अति प्रतिष्ठित व्यक्ति थे तथा अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को अधिक से अधिक शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए सदैव अधीर रहते थे। अपने जीवनकाल में वह लालायित थे कि अल्पसंख्यक वर्ग की छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा देने की व्यवस्था होनी चाहिए। अतः छात्राओं के लिए महाविद्यालय खोले जाने के निमित्त पर्याप्त भूभाग उपलब्ध कराते हुए अपने सुपुत्र सैयद मजहर अली शाह को प्रेरित किया कि वह इस ओर अग्रसर हो। श्री मजहर अली शाह ने 1973 में कुछ प्रभुद्ध लोगों के साथ बैठकर योजना बनाई और अपने पिता की इच्छानुसार उन्हीं के नाम पर महाविद्यालय स्थापित किए जाने के विचार से एक समिति का गठन किया जिसका नाम सैयद जव्वाद अली शाह इमामबाड़ा मुस्लिम गर्ल्स डिग्री कालेज सोसाइटी रखा। इस समिति ने छात्राओं के लिए महाविद्यालय स्थापित करने का बीड़ा उठाया और जव्वाद अली शाह इमामबाड़ा गर्ल्स महाविद्यालय की स्थापना 1973 में ही हो गई।

महाविद्यालय 1973 से निरन्तर प्रयास में लगा रहा जिसका परिणाम था कि इस महाविद्यालय में केवल अल्पसंख्यक वर्ग की छात्राओं ने प्रवेश प्राप्त करना श्रेयस्कर नहीं माना बल्कि सभी वर्ग के लोगों ने अपनी बालिकाओं को महाविद्यालय में प्रवेश दिलाया। महाविद्यालय में पठन-पाठन का तथा सम्बन्धों का अति उचित वातावरण अतीत से वर्तमान तक है। हिन्दु, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी वर्ग की छात्राएं महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं। संक्षेप में यदि कहा जाए कि महाविद्यालय ने राष्ट्रीय चरित्र को अंगीकृत कर लिया है तो अतिशयोक्ति

महाविद्यालय में शैक्षिक वातावरण अति प्रभावशाली है तथा छात्राओं और शिक्षकों में अति पारस्परिकता है जो वातावरण को अति रमणीक बना देता है। महाविद्यालय ने एक निष्ठ और शुद्ध परम्परा का निर्माण कर लिया है। शैक्षिक वातावरण से प्रभावित होकर महाविद्यालय की सोसाइटी ने इसे स्नातकोत्तर स्तर पर 1996 में स्थापित कर लिया। महाविद्यालय का परीक्षाफल सदैव से ही अति उत्साहवर्धक रहा है। अधिकांशतः परीक्षाफल शत प्रतिशत ही रहा है।

महाविद्यालय की सोसाइटी महाविद्यालय के चतुर्दिक विकास के लिए सतत प्रयासरत है। जिसके लिए महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति बधाई की पात्र है।

डा. शगुप्ता अमान

का० प्राचार्या

प्रवेश सम्बन्धी नियम

1. प्रवेश आवेदन पत्र महाविद्यालय कार्यालय से प्रत्येक कार्य दिवस पर निर्धारित शुल्क भुगतान करके पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।
2. प्रवेशार्थी प्रवेश आवेदन पत्र को पूरित कर महाविद्यालय कार्यालय में कार्य दिवस पर पूर्वाह्न 10 से अपराह्न 4 बजे के बीच जमा करेंगे।
3. प्रवेशार्थियों के प्रवेश हेतु प्रेषित आवेदन पत्र में यदि कोई त्रुटि/अर्हता से सम्बन्धित कोई कमी हुई तो जाचोपरान्त प्रवेश आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जायेगा।
4. कोई भी छात्रा अधिकार के रूप में प्रवेश की मांग नहीं कर सकती है किसी छात्रा के अध्ययन हेतु चयनित विषय में परिवर्तन प्राचार्या की लिखित स्वीकृति से ही सम्भव है।
5. प्रवेशार्थियों का प्रवेश अस्थाई होगा और प्रवेश की तिथि से चार माह के अन्दर प्रवेश निरस्त किये जाने का अधिकार प्राचार्य को होगा।
6. प्रवेश प्राप्त छात्रा किसी भी कक्षामें सब्रान्त तक ही संस्थागत छात्रा होगी।

पाठ्य विषय

महाविद्यालय में स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश दिया जाता है जिसका विवरण निम्नलिखित है -

- अ. स्नातकोत्तर स्तर पर उर्दू तथा इतिहास (मध्यकालीन) का अध्ययन होता है।
- ब. स्नातक स्तर पर छात्राएं किन्हीं तीन विषयों का चयन कर सकती हैं।

प्रवेश हेतु अर्ह्यता

1. स्नातक स्तर पर प्रवेश प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि प्रवेशार्थी इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा प्राप्तांक 45 प्रतिशत से कम न हो, परीक्षा उत्तीर्ण करने में यदि निरन्तरता नहीं है तो उसके कारण एवं साक्ष्य शपथ पत्र द्वारा प्रस्तुत करने होंगे विषयों का प्रतिशत व्यवसायिक विषयों को छोड़कर निकाला जाएगा।
2. स्नातकोत्तर विषय में उर्दू एवं इतिहास (मध्यकालीन) में से किसी एक में प्रवेश प्राप्त किया जा सकता है प्रवेशार्थी के लिए आवश्यक है कि वह स्नातक त्रिवर्षीय कोर्स या ब्रिज कोर्स या गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा नियमित नियमों के आधार पर वह समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।
3. प्रवेश फार्म के साथ निम्नलिखित पत्र जातों की फोटो प्रतियां राजपत्रित

अधिकारी/प्राचार्या/प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित कराने के उपरान्त ही जमा करे तथा पासपोर्ट साइज की फोटो भी उक्त अधिकारियों द्वारा ही प्रमाणित कराकर उचित स्थान पर लगाएं।

1. हाई स्कूल प्रमाण पत्र
2. अंक पत्र की प्रमाणित प्रतियां
3. चरित्र प्रमाण पत्र
4. आधार कार्ड की फोटो कापी अति आवश्यक है।
5. स्थानान्तरण प्रमाण पत्र , प्रवेश फार्म के समय स्थानान्तरण प्रमाण पत्र की मूल प्रति अवश्य प्रेषित करें।
6. अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ी जाति प्रमाण पत्र /सम्बन्धित अधिकारी द्वारा।
7. विश्वविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों से किसी प्रवेशार्थी का स्थानान्तरण इस महाविद्यालय में स्वीकार नहीं किया जाता है।
8. नियम एवं विधि में परिवर्तन करने का अधिकार प्राचार्य के पास सुरक्षित है।

अधि प्रतिनिधित्व (वेटेज कन्सीडरेशन)

महाविद्यालय की प्रवेश समिति द्वारा नियमानुसार निर्धारित संख्या में मेरिट के आधार पर चुने गये प्रवेशार्थी तिथि और समय पर जिसकी सूचना महाविद्यालय सूचना पट्ट पर दी जाती है, प्रवेश समिति के समक्ष आवश्यक प्रमाण पत्रें एवं अंकपत्रों की मूल प्रतियों, फीस तथा अपनी तीन (3×2.5 सेमी. साइज) की फोटो के साथ उपस्थित होंगी।

स्नातक भाग दो एवं तीन तथा स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष में प्रवेश हेतु आवेदन तथा प्रवेश पिछली कक्षा में परीक्षा के अंकपत्र जारी होने के

दस दिन के भीतर ही लेना अनिवार्य है।

नोट : (1) स्नातक प्रथम वर्ष में दो प्रतिशत सीटें प्रबन्ध समिति के लिये निर्धारित हैं। किन्तु प्राप्तांक 45 प्रतिशत से कम न हो।

(2) सूचनापट्ट से प्रवेश की तिथियों एवं समय आदि जानने का पूर्ण उत्तरदायित्व प्रवेशार्थी पर होगा।

प्रवेश कार्यक्रम

- क. प्रवेशार्थियों का प्रवेश मेरिट के आधार पर लिस्ट घोषित होने के बाद निर्धारित तिथि पर विवरणानुसार होगा।
- ख. प्रवेश समिति के द्वारा निर्धारित तिथि के अन्दर ही प्रवेशार्थी को कालेज कार्यालय में प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 1.30 बजे तक शुल्क जमा करना अनिवार्य है। निर्धारित तिथि को शुल्क जमा न करने की दशा में प्रवेशार्थी के प्रवेश का अधिकार समाप्त हो जाएगा।
- ग. प्रवेश हेतु चुने गये प्रवेशार्थी एवं अन्य कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले प्रवेशार्थी को प्रवेश के समय ही वार्षिक शुल्क, परीक्षा शुल्क तथा पूरे सत्र का मासिक शुल्क कालेज कार्यालय में जमा करना होगा।

उपस्थिति

गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित उपस्थिति सम्बन्धी नियम का पालन महाविद्यालय अक्षरशः करता है। महाविद्यालय की नियमित छात्र को अध्ययन के विषयों में 75 प्रतिशत उपस्थिति विश्वविद्यालय की किसी परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अनिवार्य है।

विषय परिवर्तन

छात्रों को अध्ययन विषयों का चयन समझ-बूझकर करना चाहिए क्योंकि साधारणतः एक बार चुने गये विषय में परिवर्तन तभी सम्भव होगा जब प्राचार्या अनुमति प्रदान करेंगी और यह कार्य भी प्रवेश प्राप्त करने के 10 दिन के अन्दर ही होगा। किसी छात्र के चुने हुए विषय में सीट के अभाव में विषय परिवर्तन करके ही प्रवेश देना सम्भव होगा।

परिचय पत्र

परिचय पत्र किसी भी छात्रा का एक धरोहर होगा जिसे सुरक्षित ढंग से रखना छात्र का दायित्व होगा। परिचय पत्र के माध्यम से ही समाज में छात्रा का परिचय बनता है। बिना परिचय पत्र के किसी भी छात्रा का महाविद्यालय परिसर में प्रवेश सम्भव नहीं होगा। प्रवेश के समय ही छात्रा को परिचय पत्र महाविद्यालय कार्यालय से प्राप्त हो जाएगा। परिचय पत्र हेतु प्रत्येक छात्रा को पासपोर्ट आकार के तीन फोटो कार्यालय में जमा करना होगा। परिचय पत्र खो जाने की स्थिति में छात्रा को दूसरी प्रति प्राप्त करने के लिए कार्यालय में आवेदन पत्र के साथ रू. 100/- का भुगतान करना आवश्यक होगा।

पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय एवं अध्ययन कक्ष की समुचित व्यवस्था है स्नातक एवं स्नातकोत्तर की छात्राएं पुस्तकालय से पूर्वान्ह 9 बजे से सायं 5 बजे तक लाभान्वित हो सकती हैं। स्नातकोत्तर विषयों की छात्राएं विभागीय पुस्तकालय का विभागाध्यक्ष द्वारा निश्चित समय पर लाभ उठा सकती हैं।

महाविद्यालय में प्रवेश हेतु विषय

विषय	स्नातक	स्नातकोत्तर
उर्दू		
हिन्दी		
इतिहास		
मध्यकालीन		
समाजशास्त्र		
शिक्षा शास्त्र		
अर्थ शास्त्र		
एनएसएस		
फैशन डिजाइनिंग		
कल्चरल एक्टिविटी		

शुल्क मुक्ति सुविधा

शासन द्वारा निर्धारित नियमों के आधार पर निर्धनता एवं योग्यता को मापदण्ड बनाकर शुल्क मुक्ति सुविधा प्रदान की जाती है। शुल्क मुक्ति सम्बन्धी नियम एवं आवश्यक सूचनाएं माह सितम्बर के प्रथम सप्ताह में महाविद्यालय के सूचनापट्ट से प्राप्त होगी। शुल्क मुक्ति सुविधा प्राप्त छात्रों से संतोषप्रद कार्य अपेक्षित है अन्यथा सूचना देकर सुविधा समाप्त की जा सकती है।

छात्रवृत्तियां

1. राज्य सरकार द्वारा कुछ छात्रवृत्तियां मोमिन अंसार, पिछड़ी, अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जन जातियों की छात्राओं को प्रदान की जाती है।
2. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति मेरिट के आधार पर (75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने की स्थिति में)
3. उर्दू अकेडेमी से प्रदत्त छात्रवृत्तियां (60% से अधिक अंक प्राप्त करने की स्थिति में)
4. महाविद्यालय के छात्रकोष से भी छात्र सहायता प्रदान की जाती है। उपरोक्त छात्रवृत्तियां एवं सहायता की प्राप्ति के लिए समयानुसार छात्राओं को सूचना दी जाती रहेगी।

शिक्षणेत्तर कार्यक्रम

महाविद्यालय की छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास के लिये विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताएं आयोजित होती रहती हैं। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में स्काउटिंग, प्रौढ़ शिक्षा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की भी व्यवस्था है जिसमें छात्राएं सक्रिय होकर भाग ले सकती हैं। महाविद्यालय में प्रतिवर्ष स्थापना सप्ताह बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिसमें शिक्षाविद् तथा विभिन्न कलाओं के व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाता इस सप्ताह के अन्तर्गत व्यवस्थानुसार मीलाद शरीफ, मुशायरा, गोष्ठियां, नाटक आदि भी आयोजित होती हैं तथा प्रतिभागियों को उचित ढंग से सम्मानित किया जाता है।

परिधान

महाविद्यालय की छात्राओं का समाज में एक अलग पहचान बन सके। इसके लिये छात्राओं हेतु निश्चित परिधान की व्यवस्था है और प्रत्येक छात्र से अनिवार्यतः आशा है कि महाविद्यालय में कक्षाओं के प्रारम्भ होने के एक सप्ताह के अन्दर निश्चित परिधान में ही महाविद्यालय में प्रवेश करें अन्यथा उन्हें परिसर में प्रवेश से वंचित होना पड़ेगा।

स्नातक स्तर पर परिधान-

दुपट्टा	सफेद
शलवार	सफेद
जम्पर	नीली सफेद चेक
स्वेटर	काला

स्नातकोत्तर स्तर पर परिधान -

दुपट्टा	सफेद
शलवार	सफेद
जम्पर	हल्की नीली (आसमानी)
स्वेटर	सफेद जाड़ों में

समय सारिणी

महाविद्यालय में कक्षाएं प्रत्येक कार्यदिवस पर प्रातः 10 बजे से सात बजे तक चलती हैं।

महाविद्यालय में विभिन्न समितियां

महाविद्यालय में व्यवस्था एवं अनुशासन स्थापित रहे इस निमित्त महाविद्यालय में शिक्षकों एवं छात्रों की सम्मिलित अनेक समितियां बनती हैं, जिनमें नियन्ता समिति, क्रीड़ा समिति, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति, सहायता कोष समिति, पुस्तकालय एवं वाचनालय समिति मुख्य हैं।

अभिभावकों से विशेष निवेदन

महाविद्यालय में व्यवस्था उच्च कोटि की रहे तथा अनुशासन श्रेष्ठ रहे, इसलिए आवश्यक है कि महाविद्यालय की छात्रों के अभिभावकों का भी विशेष सहयोग महाविद्यालय को प्राप्त होता रहे। इस निमित्त छात्रों के पुरुष अभिभावकों के प्रवेश से महाविद्यालय को अलग रखा गया है तथा उनसे निवेदन है कि यदि कोई विशेष बात हो तो महाविद्यालय की प्राचार्य को अपने पाल्य के माध्यम से सूचना आवश्यकीय हेतु प्राचार्या को दें सकते हैं। महिला अभिभावकों के लिए व्यवस्था है कि वे किसी विशेष कारण के निदान के लिए यदि चाहें तो प्राचार्या से अपराह्न 2 बजे से 4 बजे के बीच सम्पर्क कर सकती हैं।

باسمہ تعالیٰ

ماضی سے حال تک

میاں صاحب، سید جواد علی شاہ صاحب کا شمار شہر گورکھپور کی بہت ہی مقتدر ہستیوں میں ہوتا ہے۔ قوم و ملت کے درد سے ان کا دل لبریز تھا۔ خاص طور سے دخترانِ ملت کی تعلیمی پسماندگی اور اس کے نتیجے میں ان کی ناگفتہ بہ حالت کو دیکھ کر ان کا دل لرز اٹھتا تھا۔ بڑے غور و خوض کے بعد انھوں نے دل میں تہیہ کر لیا کہ وہ دخترانِ ملت کی جہالت اور کم مائیگی دور کر کے انھیں علم کی روشنی اور اعتماد کی قوت عطا کریں گے۔ اس کے لئے سب سے بہتر طریقہ یہی ہے کہ لڑکیوں کو اعلیٰ تعلیم سے مزین کیا جائے تاکہ وہ اپنی زندگی کے مسائل سے خود نبرد آزاں ماہو ہو سکیں۔ اس مقصد کے لئے انھوں نے اپنے لائق فرزند جناب مظہر علی شاہ صاحب کو آمادہ کیا:

اپنے والد محترم کی خواہش کا احترام کرتے ہوئے جناب مظہر علی شاہ صاحب نے شہر کی مقتدر ہستیوں کی ایک میٹنگ بلوائی جس میں متفقہ طور پر یہ فیصلہ لیا گیا کہ شاہ صاحب کی خواہش کے احترام میں انھیں کے نام سے لڑکیوں کی اعلیٰ تعلیم کے لئے ایک کالج قائم کیا جائے۔ اس فیصلے کو عمل میں لانے کے لئے ایک کمیٹی قائم کی گئی جس کا نام سید جواد علی شاہ امام باڑہ مسلم گرس ڈگری کالج سوسائٹی رکھا گیا۔ اس کمیٹی نے طالبات کے لئے ایک اعلیٰ تعلیمی ادارے کے قیام کا بیڑا اٹھایا۔ اور آخر کار ۱۹۷۳ء میں شاہ صاحب کی دی ہوئی زمین پر لڑکیوں کی اعلیٰ تعلیم کے لئے سید جواد علی شاہ امام باڑہ گرس ڈگری کالج کا قیام

عمل میں آیا۔

یہ ادارہ ایک اقلیتی ادارہ ہے اس نے اپنی بنیادی خصوصیت کو برقرار رکھتے ہوئے اپنے دامن میں ہر مذہب و ملت کی طالبات کو جگہ دی ہے۔ اسی مذہبی رواداری کے پیش نظر اس کالج میں مسلمان، ہندو، سکھ، عیسائی اور پارسی وغیرہ طالبات داخلہ لے کر سافٹ تھرے اور پاکیزہ ماحول میں تعلیم حاصل کرتی ہیں۔ کالج کا یہ ماحول آغاز سے لے کر آج تک یوں ہی جاری و ساری ہے۔ مختصر اہم یہی کہہ سکتے ہیں کہ یہ کالج اپنا قومی و ملی کردار ادا کرنے میں پیہم مصروف ہے۔

کالج کا تعلیمی ماحول بہت ہی پرکشش اور متاثر کن ہے کیونکہ مسلم اور ہندوستانی تہذیبوں کا ملا جلا رنگ ہر قدم پر نظر آتا ہے۔ رنگوں کا ایسا میل جس کی الگ سے پہچان کرنا یا الگ کرنا از حد دشوار ہے۔ یہ کالج ملی جلی تہذیبوں کا ایسا سنگم ہے جسے باپو کے خوابوں کی حسین تعبیر کہہ سکتے ہیں، جس کی تمنا ابوالکلام آزاد اور ٹیگور کے دلوں میں مچلتی رہی..... یہاں وہی دلکش ماحول ہے۔ اس تعلیمی ماحول سے متاثر ہو کر کالج کی سوسائٹی نے اس کی تعلیمی سطح کو ڈگری سے پی. جی. کی سطح تک لے جانے کا فیصلہ کیا اور ۱۹۹۶ء کے تعلیمی سال سے اس کا آغاز بھی ہو گیا۔۔۔ پہلے سال سے ہی اے. سال اول اور دوئم کا نتیجہ صد فیصد رہا۔ سوسائٹی ہر سطح پر کالج کی ترقی کے لئے پیہم ہمدردی و جہد کر رہی ہے، جس کے لئے کالج انتظامیہ مبارک باد کی مستحق ہے۔

ڈاکٹر شگفتہ امان (عارضی پرنسپل)

داخلے سے متعلق اصول و ضوابط :-

- ۱۔ داخلے کے لئے درخواست فارم تعطیل کے دن کے علاوہ روزانہ طے شدہ فیس دے کر ۱۰ بجے دن سے ۴ بجے دن تک آفس سے لیا جاسکتا ہے۔
- ۲۔ داخلہ لینے والی طالبات فارم پُر کر کے کالج میں تعطیل کے علاوہ روزانہ ۱۰ بجے دن سے ۴ بجے دن تک اپنا فارم آفس میں جمع کر سکتی ہیں۔
- ۳۔ داخلہ کے لئے پُر کئے گئے فارم میں اگر کوئی غلطی ہوئی یا تعلیمی لیاقت سے متعلق کوئی کمی پائی گئی تو درخواست فارم رد کر دیا جائیگا۔
- ۴۔ کوئی بھی طالبہ اپنا حق جتا کر داخلے کی مانگ نہیں کر سکتی۔ داخلہ دینے کا اختیار صرف داخلہ کمیٹی کو ہی حاصل ہے۔
- ۵۔ طالبات کا داخلہ عارضی ہوگا۔ داخلے کی تاریخ سے چار ماہ کے اندر داخلے کو رد کر دینے کا اختیار پرنسپل کو حاصل ہے۔
- ۶۔ داخلہ لینے کے بعد اس درجے کی پڑھائی اور امتحان تک ہی اس طالبہ کا شمار ریگولر طالبات میں ہوگا۔

تعلیمی مضامین :-

اس کالج میں بی. اے. اور ایم. اے. درجات میں داخلے دئے جاتے ہیں جس کی تفصیل مندرجہ ذیل ہے :-

- ۱۔ ایم. اے. : اس کالج میں صرف دو مضامین میں ایم. اے. کی تعلیم دی جاتی ہے۔

(۱) اُردو (۲) تواریخ

۲۔ بی. اے. : بی. اے. کی کلاس میں داخلے کے لئے اُردو، ہندی، ایجوکیشن، سماجیات، تاریخ، معاشیات، انگریزی، سنسکرت کے ساتھ ہی فیشن ڈیزائننگ، این. ایس. ایس. (N. S. S.) ثقافتی سرگرمیاں (Cultural Activities) مضامین میں سے کتنہیں تین مضامین کا انتخاب کر سکتی ہیں

منتخب مضامین میں تبدیلی کسی بھی صورت میں ممکن نہ ہوگی۔

داخلے کے لئے تعلیمی لیاقت :-

۱۔ بی. اے. کے درجات میں داخلہ حاصل کرنے کے لئے یہ ضروری ہے کہ طالبہ نے

انٹرمیڈیٹ کا امتحان کم سے کم پینتالیس (۴۵) فیصد نمبروں سے پاس کیا ہو۔

مضامین کا فیصد و کیشنل کورس کو چھوڑ کر نکالا جائیگا۔

۲۔ تعلیمی سلسلہ اگر درمیان میں ٹوٹ گیا ہو تو اس کے لئے نوٹری سرٹیفکیٹ جمع کرنا ہوگا، اور

یہ سہولیت صرف دو سال تک مل سکتی ہے۔

۳۔ ایم. اے. کے درجات میں اُردو اور تاریخ (Medieval) کی تعلیم دی جاتی ہے۔

اس کے لئے ضروری ہے کہ طالبہ نے بی. اے. کا سہ سالہ یا برج کورس یا گورکھپور

یونیورسٹی سے منظور شدہ کوئی مساوی امتحان پاس کیا ہو۔ جس کا فیصد ۴۰ (چالیس) سے

کم نہ ہو۔

۴۔ داخلہ فارم کے ساتھ مندرجہ ذیل ضروری کاغذات کی فوٹو کاپی جو گزٹڈ افسر یا کسی انٹر

یاڈگری کالج کے پرنسپل سے تصدیق شدہ ہونسلک کر کے جمع کریں۔ فارم پر لگی

ہونی پاپورٹ سائز تصویر بھی انھیں افسران سے تصدیق شدہ ہو۔

۱۔ ہائی اسکول سرٹیفکیٹ۔

۲۔ رزلٹ کارڈ کی تصدیق شدہ کاپیاں۔

۳۔ اچھے کردار کی سند (کیمریکل سرٹیفکیٹ)

۴۔ داخلہ لیتے وقت ٹی.بی. کی اصل کاپی جمع کریں۔

۵۔ SC/ST/OBC کی تصدیق شدہ سرٹیفکیٹ۔

کسی یونیورسٹی یا کسی دوسرے کالج سے کسی طالبہ کا اس کالج میں تبادلہ منظور نہیں

کیا جاتا۔

اصول و ضوابط میں تبدیلی کرنے کا اختیار پرنسپل کے پاس محفوظ ہے۔

کالج کی داخلہ کمیٹی اپنے ضابطے کے مطابق میرٹ کی بنیاد پر متعین تعداد

میں طالبات کا انتخاب کرے گی جس کی اطلاع مقررہ تاریخوں پر نوٹس بورڈ پر لگے نوٹس کے

ذریعہ دے دی جائیگی۔ طالبات کو چاہیے کہ منتخب ہو جانے کے بعد داخلہ کمیٹی کے سامنے

اپنے ضروری اسناد (سرٹیفکیٹس) اور مارکس شیٹ کی اصل کاپیوں، فیس اور اپنی 3x2.5

مربع سینٹی میٹر کی تین تازہ ترین تصویروں کے ساتھ آئیں۔

بی. اے. سال دوئم اور سوئم اور ایم. اے. سال دوئم میں داخلے کے لئے

درخواست اور داخلہ پچھلے درجات کی مارکس شیٹ ملنے کے دس دن کے اندر لے لینا

ضروری ہے۔

نوٹ: ۱۔ بی. اے. سال اول میں دو فیصد سیٹیں انتظامیہ کمیٹی کے لئے مقرر

ہیں لیکن نمبر ۵۳ فیصد سے کم نہ ہوں۔

۲۔ نوٹس بورڈ سے داخلے کی تاریخ اور وقت وغیرہ جاننے کی پوری ذمہ داری

طالبہ پر ہوگی۔

داخلہ پروگرام :-

- (۱) طالبات کا داخلہ میرٹ کی بنیاد پر فہرست نکلنے کے بعد مقررہ تاریخوں پر ہوگا۔
- (۲) داخلہ کمیٹی کے ذریعے مقررہ تاریخوں تک طالبات آفس میں ۱۰ بجے صبح سے ۳۰ بجے دوپہر تک آفس میں فیس جمع کر کے داخلہ لے لیں۔ مقررہ تاریخوں تک فیس نہ جمع کرنے کی صورت میں داخلہ چاہنے والوں کا حق ختم ہو جائیگا۔

- (۳) داخلہ کے لئے منتخب بی. اے. سال اول کی طالبات اور دوسرے درجوں کی طالبات بھی داخلہ کے وقت ہی پوری ماہانہ فیس اور سالانہ فیس اور امتحانی فیس ایک ساتھ جمع کر دیں۔

حاضری :-

درجات میں حاضری کے لئے گورکھپور یونیورسٹی نے جو ضابطے بنائے ہیں کالج مکمل طور پر اس کا پابند ہے۔ کسی بھی ریگولر طالبہ کے لئے یہ ضروری ہے کہ اس کے ذریعے پڑھے جانے والے ہر مضمون میں اس کی حاضری ۷۵٪ (سیکھنتر فیصد) ہو ورنہ یونیورسٹی کی جانب سے اسے امتحان دینے کی اجازت نہیں ملے گی۔

مضامین کی تبدیلی :-

طالبات کو چاہیے کہ وہ پڑھنے کے لئے بہت سوچ سمجھ کر مضامین کا انتخاب کریں۔ منتخب شدہ مضامین کی تبدیلی صرف ایک بار ممکن ہے وہ بھی اس صورت میں جب پرنسپل تحریری طور پر اس کی اجازت دیں۔ اس کے علاوہ تبدیلی داخلہ لینے کے صرف ۳۰ دن کے اندر ہی ہو سکتی ہے۔ کسی مضمون میں اگر سیٹ خالی نہیں ہے تو اس صورت میں مضمون بدل کر ہی داخلہ ہوگا۔

تعارفی کارڈ:-

تعارفی کارڈ (Identity Card) کسی بھی طالبہ کی شناخت کا ذریعہ ہے۔ اس لئے اس کی اچھی طرح حفاظت کرنا طالبہ کی ذمہ داری ہے۔ بغیر تعارفی کارڈ کے کسی بھی طالبہ کا کالج میں داخلہ ممکن نہیں ہوگا۔ داخلہ کے وقت تعارفی کارڈ طالبہ کو کالج کے آفس سے مل جائیگا۔ اس کارڈ کو بنوانے کے لئے طالبہ کو پاپورٹ سائز کے تین فوٹو آفس میں جمع کرنا ہوگا۔ تعارفی کارڈ کھوجانے کی صورت میں دوسرے کارڈ کے حصول کے لئے طالبہ کو درخواست کے ساتھ مبلغ ۱۰۰ روپے آفس میں جمع کرنے ہونگے۔

لائبریری:-

کالج میں لائبریری اور اسٹڈی روم کا بہت اچھا انتظام ہے۔ بی۔ اے۔ اور ایم۔ اے۔ کی طالبات دوپہر ایک بجے سے شام ۵ بجے تک مستفید ہو سکتی ہیں۔ ایم۔ اے۔ کی طالبات اپنے شعبہ کی لائبریری سے صدر شعبہ سے مقررہ وقت پر کتابیں حاصل کر سکتی ہیں۔

کالج میں داخلہ کے لئے مختلف مضامین کی مقررہ سیٹیں:-

بی۔ اے۔ سال اول	ایم۔ اے۔ سال اول
(۱) اردو	(۱) اردو
(۲) ہندی	(۲) تواریخ
(۳) ایجوکیشن	
(۴) سماجیات	
(۵) تاریخ	

(۶) معاشیات

(۷) انگریزی

(۸) سنسکرت

نوٹ: سرکار یا یونیورسٹی اگر فیس میں کوئی تبدیلی کرتی ہے فیس بڑھاتی ہے تو اسی کے مطابق

رقم جمع کرنا ہوگی۔

فیس معافی کی رعایت :-

گورنمنٹ کے ذریعے طے شدہ ضابطوں کی بنیاد پر، غریبی اور صلاحیت کو پیمانہ بنا کر فیس معافی کی رعایت دی جاتی ہے۔ فیس معافی سے متعلق ضروری اطلاع ماہ ستمبر کے پہلے ہفتے میں نوٹس بورڈ پر لکھ دی جاتی ہے۔ جن طالبات کو فیس معافی کی رعایت دی جاتی ہے ان سے یہ امید کی جاتی ہے کہ وہ اپنی تعلیمی لیاقت کو اور زیادہ بہتر بنائیں گی ورنہ انھیں اطلاع دے کر یہ رعایت ختم بھی کی جاسکتی ہے۔

وظائف :-

۱۔ یو. پی. سرکار کے ذریعے کچھ وظائف مومن انصار، S.T. اور S.C./O.B.C.

کی طالبات کو دی جاتی ہیں۔

۲۔ قومی وظیفہ :- (میرٹ کی بنیاد پر پچھتر فیصدی یا اس سے زیادہ نمبر

آنے پر)

۳۔ اردو اکیڈمی سے جاری وظائف (60% ساٹھ فیصدی) سے زیادہ نمبر

ملنے پر دی جاتی ہے۔

۳۔ کالج کے طالبات فنڈ سے بھی طالبات کو مدد دی جاتی ہے۔

مندرجہ بالا وظائف اور امداد کے حصول کے لئے وقتاً فوقتاً طالبات کو اطلاع دی جاتی رہتی ہے۔

تدریس کے علاوہ دوسرے پروگرام:-

کالج میں طالبات کی شخصیت کی مکمل نشوونما کے لئے مختلف النوع کھیل مقابلے، ادبی اور تہذیبی پروگراموں کے مقابلے منعقد کئے جاتے ہیں۔ اس کے علاوہ اسکالرشپ، کیمپ اور این۔ ایس۔ ایس۔ کے کیمپ بھی لگائے جاتے ہیں۔ جس میں طالبات سرگرمی سے حصہ لیتی ہیں۔ ہر سال یہاں ”بائنٹی کالج ہفتہ“ بھی بڑے جوش و خروش کے ساتھ منایا جاتا ہے، جس میں علماء، دانشوروں اور مختلف ماہرین فن کو مدعو کیا جاتا ہے۔ اس ہفتے میں طالبات مختلف پروگراموں جیسے میلاد شریف، مشاعرہ، ڈرامہ اور مختلف مقابلوں میں حصہ لے کر انعامات حاصل کرتی ہیں۔

یونی فارم:- کالج کی طالبات کی سماج میں ایک الگ شناخت قائم ہو سکے اس کے لئے بی۔ اے۔ ایم۔ اے۔ کی تمام طالبات کے لئے کالج یونیفارم کا استعمال ضروری ہے۔ کالج میں داخلہ لینے والی تمام طالبات کو یہ ہدایت دی جاتی ہے کہ وہ داخلہ لینے کے بعد ایک ہفتہ کے اندر اپنا یونی فارم بنوائیں اور اسے پہن کر ہی کالج آئیں ورنہ انھیں کالج میں داخل ہونے سے روکا جاسکتا ہے۔

یونی فارم کیسا ہو:-

بی۔ اے۔ کی طالبات کا یونی فارم: ڈوپٹہ سفید
جمپر نیلا اور سفید چھوٹا چیک

شلووار سفید
سوٹر (سردیوں کے لئے) گہرائیلا
(نیوی بلیو)

اسکارف گہرائیلا (نیوی بلیو)

ایم. اے. کی طالبات کا یونی فارم : ڈوپٹہ سفید

چمپر آسمانی (ہلکانیلا)

شلووار سفید

سوٹر (سردیوں کے لئے) سفید

اسکارف گہرائیلا (نیوی بلیو)

کالج اوقات :- کالج میں صبح ۱۰ بجے سے شام ۴ بجے تک درس و تدریس کا کام ہوتا ہے۔

کالج کی مختلف کمیٹیاں :-

کالج کا نظم و ضبط بخوبی چلتا رہے اس مقصد کے لئے اساتذہ اور طالبات کی ملی جلی کمیٹیاں بنائی گئی ہیں جن میں : کھیل کمیٹی، ادبی اور تہذیبی پروگراموں کی کمیٹی، امداد کمیٹی، لائبریری اور ریڈنگ روم کمیٹی خاص طور سے قابل ذکر ہیں۔

والدین اور سرپرستوں سے درخواست:-

کالج میں اعلیٰ پائے کا نظم و ضبط برقرار رکھنے کے لئے یہ ضروری ہے کہ والدین اور سرپرستوں کا تعاون بھی ملتا رہے۔ اس لئے مرد سرپرستوں کا داغلاہ کالج میں ممنوع قرار دیا گیا ہے۔ اگر آپ کو کوئی خاص بات اپنی بیٹی کے سلسلے میں کرنا ہے تو اسی کی معرفت پرنسپل تک بات پہنچائیں یا درخواست کے ذریعے اپنی پریشانی یا مسئلہ پرنسپل کے سامنے رکھیں۔ دوسری صورت میں والدہ یا خاتون سرپرست مسئلے کے حل کے لئے ۲ بجے دن سے ۴ بجے دن تک پرنسپل سے مل سکتی ہیں۔



Jawad Ali Shah Imambara
GIRLS P.G. COLLEGE
GORAKHPUR